



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 100]
No. 100]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 31, 1984/भाद्रपद 9, 1906
NEW DELHI, TUESDAY, JULY 31, 1984/SRAVANA 9, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

मासिक सूचना सं० 38 आईटीसी(पीएम)/84

नई दिल्ली, 31 जुलाई, 1984,

विषय—अप्रैल, 1984—मार्च, 1985 के लिए आयात तथा निर्यात नीति।

मिसिल सं० 1/24/पी०/74-ईपीसी-वा० XI:— वाणिज्य मंत्रालय की
मासिक सूचना सं० 18आईटीसी(पीएम) 84 दिनांक 12 अप्रैल, 1984
के अधीन प्रकाशित तथा संशोधित अप्रैल, 1984—मार्च, 1985 के लिए
आयात एवं निर्यात नीति की ओर ध्यान विनाया जाता है।

2. नीति में निम्नलिखित संशोधन नीचे संकेतित उपयुक्त स्थानों पर
किए गए समझे जाएंगे:—

क्र० आयात- सं० निर्यात नीति. 1984-85 (जिल्ड-I) की पृष्ठ सं०	संदर्भ	संशोधन
1	2	3
1. 320-322	परिशिष्ट-22 अनुबंध-1 विदेशी क्रेता द्वारा संभरित स्वर्ण के मद्दे स्वर्ण आभूषणों के निर्माण के लिए योजना	(1) वर्तमान कंडिका 6 को निम्न- लिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा:— “इस योजना के अधीन किए गए निर्यातों के संबंध में शुद्ध सोने की वस्तु के मूल्य पर कम से कम 15 प्रतिशत और मूल्य जोड़ा जाएगा। जोड़े गए मूल्य की गणना प्रत्येक मास के शुरू में भारतीय

1	2	3	4	1	2	3	4
			हस्तशिल्प तथा हथकरघा निर्यात निगम लि०, नई दिल्ली द्वारा अधिसूचित कीमत पर निर्यातित मर्चों में गूँथ सोने की मात्रा के मूल्य के संबंध में की जाएगी उदाहरणार्थ यदि निर्यात की जाने वाली मर्च का जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य 100 रु० है तो अधिसूचित कीमत पर गणना किये गए सोने का मूल्य 87 रुपये या इससे कम होना चाहिये। जड़ित मर्चों के मामले में सोने और अन्य मर्चों का कुल मूल्य अर्थात् मणि, रत्न, मोती और अन्य बहुमूल्य धातु यदि कोई हो, जिसका उपयोग निर्यातित उत्पाद के निर्माण में किया जाता है, 87 रु० या इससे कम होना चाहिये।				
			(2) वर्तमान कंडिका 7 को निम्न-लिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—				
			“इस योजना के अन्तर्गत स्वर्ण आभूषणों और सामानों के (जड़े हुए गहनों को छोड़कर) किये गए निर्यात किसी भी अन्य प्रकार के प्रोत्साहन के पात्र नहीं होंगे। लेकिन जब इस योजना में जड़े हुए स्वर्ण आभूषणों और सामानों का निर्यात किया जाता है तो वे आयात प्रतिपूर्ति के लिये पात्र होंगे किन्तु वे इस धर्त के अधीन होंगे कि उनमें जोड़े हुए वास्तविक मूल्य उपर्युक्त पैरा-6 में दिए गए के अनुसार 15 प्रतिशत से कम नहीं होंगे। जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य का निर्धारण करने के विचार से सीमा शुल्क की साक्ष्य-कृत बीजक में यथा प्रवर्तित सोने एवं अन्य कीमती धातुओं के मूल्य को निकाल दिया जाएगा। उन्हीं मर्चों के लिए और उसी सीमा तक आयात प्रतिपूर्ति की अनुमति परिशिष्ट 17 की कम सं० त-4 के सामने दी गई स्वीकृति के अनुसार दी जाएगी।”				
2. 323-324	परिशिष्ट-22 अनुबंध-2 1984-85 के दौरान भारतीय हस्तशिल्प और हथकरघा निर्यात निगम लि० द्वारा लगाई जाने वाली अनुमोचित प्रदर्शनियों में विक्री		(1) वर्तमान कंडिका 6 को निम्न-लिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :— “इस योजना के अधीन बेचे गए और निर्यात किए गए माल के संबंध में सोने की मात्रा के मूल्य पर कम से कम 15 प्रतिशत और मूल्य जोड़ा जाएगा। जोड़े गए मूल्य की गणना बेचे गए और निर्यातित मर्चों में सोने की वस्तु के मूल्य के संबंध				
			के लिए स्वर्ण आभूषणों और वस्तुओं के निर्यात के लिए योजना।				
			में की जाएगी उदाहरणार्थ, यदि निर्यात की जाने वाली और बेची जाने वाली मर्च का जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य 100 रु० है तो प्रतिपूर्ति कीमत पर गणना किए गए शुद्ध सोने का मूल्य 87 रु० या इससे कम होना चाहिए। जड़ित मर्चों के मामले और सोने और अन्य मर्चों का कुल मूल्य अर्थात् मणि, रत्न, मोती और बहुमूल्य धातु यदि कोई हो, जिसका उपयोग निर्यातित उत्पाद के निर्माण में किया जाता है, 87 रु० होना चाहिए।”				
			(2) वर्तमान कंडिका 7 को निम्न-लिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—				
			“विदेश में प्रतिपूर्ति के रूप में सोने की खरीद भारतीय स्टेट बैंक या जहाँ पर प्रवेशी चलाई गई हो उस अगह पर उनके विद्यमान प्राधिकृत अधिकृतों की सहायता से की जाएगी इस बात का सुनिश्चय किया जाएगा कि सोने की चलाई गई कीमत इतनी हो जाँ निर्यातित आभूषणों के लिए न्यूनतम 15 प्रतिशत से अधिक निर्धारित मूल्य में किसी भी समय कटौती न करें। सोने की मात्रा की गणना करने के प्रयोजन के लिए हस्तशिल्प और हथकरघा निर्यात निगम उस सीमा शुल्क प्राधिकारी द्वारा जिसने निर्यात की स्वीकृति दी थी यथा प्रमाणित निर्यातित मर्च की सोने की वस्तु के भार को निम्नलिखित में, जो भी उपयुक्त हो, उससे गुणा करेगा :—				
			1. यदि घोषणा कैरेट्स में है तो उसके कैरेट्स को 24 में विभाजित करके, अथवा				
			2. यदि घोषणा शुद्धता में है तो, उसकी शुद्धता/शुद्ध सोने की इस प्रकार परिगणित आंकड़े एक ग्राम के 10वें भाग के लगभग तक गिने जाएंगे। किसी भी प्रकार के अपेक्ष्य भाग के लिए कोई छूट नहीं दी जाएगी।”				
3. 346-348	परिशिष्ट-22 अनुबंध III स्वर्ण आभूषण निर्यात संबंधित और प्रतिपूर्ति योजना		(1) वर्तमान कंडिका 7 को निम्न-लिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :— “सोने की प्रतिपूर्ति के उद्देश्य के लिए और इस योजना के अन्तर्गत किए गए निर्यात के संबंध में शुद्ध				

1 2 3 4

सोने की मात्रा के मूल्य में कम से कम 15 प्रतिशत और अधिक मूल्य के लिए बल दिया जाएगा जाड़े गए मूल्य की गणना उपयुक्त कंडिका 8 के अन्तर्गत अधिमूल्यित कीमत पर नियमित आभूषण में शुद्ध सोने की मात्रा के मूल्य को ध्यान में रखते हुए की जाएगी और वह उस तारीख को लागू होगी जिस तारीख को यह मूल्य नोटि के पैरा 14 के अन्तर्गत लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा संबंध जहाजराजी बिल पर पुष्टीकृत किया जाता है और यह नियति की जाने वाली मरों के जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य के लिए होगी। उदाहरणार्थ, यदि जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य 100 रु० है तो शुद्ध सोने का मूल्य 87 रु० या इससे कम होना चाहिए। प्रतिशत मरों के मामलों में उनके निर्माण में प्रयुक्त शुद्ध सोने, रस्सों, मणियों या मोतियों और अन्य बहुमूल्य धातु यदि कोई हो, का कुल मूल्य 87 रु० या इससे कम होना चाहिए।"

(2) वर्तमान कंडिका 10 को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

"इस योजना के अधीन स्वर्ण आभूषणों और वस्तुओं (जड़ित भिन्न) का निर्यात किसी अन्य प्रोत्साहन के लिए पात्रता प्रदान नहीं करेगा, लेकिन सोने के जड़ित आभूषणों और वस्तुओं का इस योजना के अधीन किया गया निर्यात इस शर्त के अधीन आयान प्रतिपूर्ति के लिए पात्रता प्रदान करेगा कि कुल जोड़ा गया मूल्य 15 प्रतिशत से कम नहीं होगा जैसा कि उपर्युक्त पैरा 7 में किया गया है। जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य का निश्चय करने के लिए सीमा शुल्क कार्यालय द्वारा साध्यांकित बीजर में यथा प्रदर्शित सोने और अन्य बहुमूल्य धातुओं के मूल्य को निकाल दिया जाएगा या आयान प्रतिपूर्ति की अनुमति उसी मर और उसी सीमा तक दी जाएगी जो परिशिष्ट 17 में क्रम सं० 10.4 के सामने अनुमेय है।"

(3) कंडिका 21 (1) को हटा दिया गया समझा जाएगा और अनुबर्तों उपकंडिकाओं को (1) और (2) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा।

प्रकाश चन्द जैन, मुख्य नियंत्रक आयान एवं भिर्गत

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE No. 38-ITC(PN)/84

New Delhi, the 31st July, 1984

Subject : Import and Export Policy for April 1984—March 1985.

F. No. 1/24/P/REP/74-EPC-Vol. XI.—Attention is invited to the Import and Export Policy for April 1984—March 1985, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 18-ITC(PN)/84 dated the 12th April, 1984, as amended.

2. The following amendments shall be deemed to have been made in the Policy at appropriate places indicated below:—

Sl. No. of Import & Export Policy, 1984-85 (Vol I)	Page No. Reference	Amendment
--	--------------------	-----------

1	2	3	4
1. 320-322	APPENDIX 22 ANNEXURE I Scheme for ex- port of Gold Jewellery against Gold supplied by the foreign buyer.	(1) The existing para 6 shall be substituted by the follow- ing :— “A minimum value added of 15% over the value of gold content will be in- sisted upon in respect of exports made under the Scheme. The value added will be calculated with reference to the value of the gold content in the items exported, at the price notified by Handi- crafts and Handlooms Export Corporation, New Delhi as the price of the gold, at the beginning of each month. For exam- ple, if the f.o.b. value of the items to be exported is Rs. 100, the value of gold calculated at the notified price should be Rs. 87 or less. In the case of studded items, the total value of gold and other items, namely, sto- nes, gems, pearls and other precious metals, if any, used in the manu- facture of the items ex- ported, should be Rs. 87 or less.”	

2) The existing para 7 shall be substituted by the following :—

"Exports of gold ornaments and articles (other than studded) made under the Scheme will not be eligible for any other incentive.

1	2	3	1	2	3	1
			Exports of gold ornaments and articles, when studded, made under the Scheme will, however, be eligible for import replenishment subject to the condition that the net value added will not be less than 15% as provided in para 6 above. For the purpose of determining f.o.b. value the value of gold and other precious metals as shown in the Customs attested invoice, shall be excluded. Import replenishment of the same items and to the same extent, as allowed against Sl. No. P. 4 in Appendix 17, will be admissible."			minimum value added of 15% for the jewellery exported. For the purpose of calculating the quantity of gold, HHEC will multiply the weight of the gold content of the exported item, as certified by the Customs authority which allowed the export, by the following whichever is appropriate :—
2. 323-324	APPENDIX 22 ANNEXURE II Scheme for Export of Gold Ornaments and articles for sale at approved exhibitions to be organised by Handicrafts and Handloom Export Corporation of India Limited during 1984-85.	(1) The existing para 6 shall be substituted by the following :— "A minimum value added of 15% over the value of the gold content will be insisted upon in respect of the goods exported and sold under the Scheme. The value added will be calculated with reference to the value of the gold content in the items exported and sold. For example, if the f.o.b. value of the item exported and sold is Rs. 100, the value of gold to be replenished shall be Rs. 87 or less. In the case of studded items, the total value of the gold and other items, namely, stones, gems, pearls and other precious metals, if any, used in the manufacture of the item exported and sold shall be Rs. 87 or less."				(i) Their caratage divided by 24, if the declaration is in carats; or (ii) Their fineness if the declaration is in fineness. The figure of pure gold so calculated will be rounded to the nearest 10th of a gramme. No allowance will be allowed for any wastage."
3. 346-348		(2) The existing para 7 shall be substituted by the following :— "Purchase of gold as replenishment will be made abroad with the assistance of the State Bank of India or their duly authorised agent at the place where the exhibition is held. It will be ensured that the price of gold paid is such that it does not at any rate erode the prescribed		APPENDIX 22 ANNEXURE III Gold Jewellery Export Promotion and Replenishment Scheme.	(1) The existing para 7 shall be substituted by the following :— "A minimum value added of 15% over the value of the pure gold content will be insisted upon in respect of exports made under the Scheme and for the purpose of replenishment of gold. The added value will be calculated by relating the value of pure gold content in the jewellery exported, at the price notified under para 5 above, as ruling on the date on which the relevant Shipping Bill is endorsed by the licensing authority under para 14 below, to the f.o.b. price of the items to be exported, for example, if the f.o.b. price is Rs. 100/-, the value of pure gold should be Rs. 87/- or less. In the case of studded items, the total value of pure gold, stones or gem, or pearls, as well as other precious metals, if any, used in their manufactures, should be Rs. 87/- or less."	

1	2	3	4	1	2	3	4
			(2) The existing para 10 shall be substituted by the following :—				above. For the purpose of determining f.o.b. value the value of gold and other precious metals as shown in the Customs attested invoice, shall be excluded. Import replenishment of the same items and to the same extent, as allowed against Sl. No. P. 4 in Appendix 17, will be admissible."
			"Exports of gold ornaments and articles (other than studded) made under the Scheme will not be eligible for any other incentive. Exports of gold ornaments and articles, when studded, made under the Scheme will, however, be eligible for import replenishment subject to the condition that the net value added will not be less than 15% as provided in para 7				(3) Para 21 (i) shall be deemed to have been deleted and the subsequent sub-para shall be re-numbered as (i) and (ii).
							P.C. JAIN, Chief Controller of Imports & Exports

